भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2229

सोमवार, 5 अगस्त, 2024/14 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कारगिल में पर्यटन क्षेत्र का विकास

†2229. श्री मोहम्मद हनीफ़ाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कारगिल जिले में सांस्कृतिक, धार्मिक और शीतकालीन पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं;

(ख) क्या पिछली सरकार ने कई बार कारगिल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का वादा किया था, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है यदि हां, तो इसके ब्यौरे और कारण क्या हैं;

(ग) क्या सरकार की निकट भविष्य में कारगिल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): जी हां, पर्यटन मंत्रालय कारगिल जिले में सांस्कृतिक, धार्मिक और शीतकालीन पर्यटन की अपार संभावनाओं से परिचित है।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन' (एसडी) की अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजना के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को उनके परामर्श से वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों में सहायता करता है।

मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत 3 परियोजनाओं को स्वीकृति दी, जिनमें कारगिल सहित लद्दाख संघ राज्यक्षेत्र में विभिन्न स्थलों पर पर्यटन संबंधी हस्तक्षेप शामिल हैं जिनका विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है। राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के परामर्श से और योजना के दिशानिर्देशों के अनुरूप, मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत लद्दाख संघ राज्यक्षेत्र में 'लेह' और 'कारगिल' सहित विकास के लिए देश में 57 गंतव्यों को चिह्नित किया है और इन गंतव्यों में निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति दी है:-

गंतव्य	**हस्तक्षेप का नाम**	**लागत (करोड़ रुपए में)**
लेह	जुली लेह जैव विविधता पार्क	24.89
कारगिल	कारगिल में एलओसी और हुंडरमन गांव के भ्रमण का अनुभव	12.01

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' नामक एक उप-योजना के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं, जिसके तहत पर्यटन मंत्रालय ने लद्दाख में 'मुश्कोह गांव' सहित विकास के लिए 42 गंतव्यों को चिह्नित किया है।

इसके अतिरिक्त, मंत्रालय विभिन्न संवर्धनात्मक माध्यमों जैसे वेबसाइट, सोशल मीडिया संवर्धन, संवर्धनात्मक फिल्मों, क्रिएटिव्स आदि के जरिए कारगिल सहित देश के विभिन्न गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

*****

अनुबंध

श्री मोहम्मद हनीफ़ा द्वारा कारगिल में पर्यटन क्षेत्र का विकास के संबंध में दिनांक 05.08.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †2229 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

लद्दाख संघ राज्यक्षेत्र में पर्यटन संबंधी हस्तक्षेपों सहित स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ / स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	जम्मू-कश्मीर और लद्दाख	हिमालयन परिपथ 2016-17	जम्मू-श्रीनगर-पहलगाम-भगवती नगर-अनंतनाग-सलामाबाद-उरी-कारगिल-लेह का विकास	77.33 (लद्दाख संघ राज्यक्षेत्र में 13.43 करोड़ रु. के हस्तक्षेप शामिल हैं)
2.	जम्मू-कश्मीर और लद्दाख	हिमालयन परिपथ 2016-17	अनंतनाग-पुलवामा-किश्तवाड़-पहलगाम-जंस्कर पदुम-दक्सुम-रंजीत सागर बांध में पर्यटक सुविधाओं का विकास	86.39 (लद्दाख संघ राज्यक्षेत्र में 9.44 करोड़ रु. के हस्तक्षेप शामिल हैं)
3.	जम्मू-कश्मीर और लद्दाख	हिमालयन परिपथ 2016-17	गुलमर्ग-बारामूला-कुपवाड़ा-कारगिल - लेह में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.84 (लद्दाख संघ राज्यक्षेत्र में 37.67 करोड़ रु. के हस्तक्षेप शामिल हैं)

*****